रविवासरीय
हिन्दुस्तान
तरक्की को चाहिए नया नजरिया
रविवार, 15 अप्रैल 2018, बरेली, पांच प्रदेश, 20 संस्करण, www.livehindustan.com

PAGE NO. 11 TOP

श्री राम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के दीक्षांत समारोह में बोलीं पद्मश्री प्रो. सरोज चूड़ामणि गोपाल

देश को चाहिए 500 नए मेडिकल कॉलेज

बरेली | प्रमुख संवाददाता

श्री राम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज का सातवां दीक्षांत समारोह शनिवार को आयोजित हुआ। इस दौरान एमबीबीएस 2012 बैच, पीजी (एमडी/एमएस) 2014 बैच, पैरामेडिकल 2012-13 व 2013-14 बैच के 311 विद्यार्थियों को उपाधियां और पदक दिए गए।

दीक्षांत समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि बीएचयू आईएमएस की बाल रोग विशेषज्ञ पद्मश्री प्रो. सरोज चूड़ामड़ी गोपाल, विशिष्ट अतिथि रुहेलखंड विवि के कुलपति प्रो. अनिल शुक्ला और चेयरमैन देव मूर्ति ने किया। प्रो. सरोज चूड़ामड़ी गोपाल ने कहा कि भारत चिकित्सा के क्षेत्र में हमेशा से आगे रहा है। एक वक्त था, जब नालंदा और तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालयों में सात समंदर पार से विद्यार्थी जनरल मेडिसिन सीखने आते थे। भारत के अतीत की तुलना वर्तमान चिकित्सा सुविधा से करने पर निराशा हाथ लगती है। देश के 493 मेडिकल कॉलेज 125 करोड़ लोगों के लिए डॉक्टर नहीं निकाल पा रहे हैं। जरूरत पूरी करनी है तो 500 नए मेडिकल कॉलेज खोलने होंगे और हर साल 10 लाख डॉक्टर तैयार करने होंगे। इस दौरान ट्रस्ट प्रशासक आदित्य मूर्ति, एसआरएमएस ट्रस्टी आशा मूर्ति, प्रशासनिक निदेशक आदित्य मूर्ति, रिचा मूर्ति, सुभाष मेहरा, डॉ. प्रभाकर गुप्ता मौजूद रहे। संचालन डॉ. रुचिका भटनागर ने किया।

श्री राम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में शनिवार को दीक्षांत समारोह में छात्र-छात्राओं को उपाधियां और पदक वितरित किए गए। कार्यक्रम में पहुंचे अतिथियों का सम्मान भी किया गया। • हिन्दुस्तान

विनम्रता-कर्मठता के साथ आगे बढ़ना चाहिए

चेयरमैन देव मूर्ति ने कहा कि एक अच्छे चिकित्सक को समयबद्धता, विनम्रता, कर्मठता के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने मेडिकल मोबाइल बस, हॉस्पिटल ऑन व्हील, टेलीमेडिसिन सेंटर आदि सुविधाओं के बारे में बताया। संस्थान के प्राचार्य डॉ. एसबी गुप्ता ने संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट पेश की। इसमें संस्थान के विभिन्न सुपर स्पेशलिटी विभागों में दी जा रही नवीन चिकित्सा सुविधाओं के बारे में बताया।

डॉक्टर बनकर करें लोगों की सेवा

रुहेलखंड विवि के कुलपति प्रो. अनिल शुक्ल ने कहा कि कई साल पढ़ाई करने के बाद विद्यार्थी डॉक्टर बने हैं। ऐसे में उनका पहला कर्तव्य है कि वे लोगों की सेवा करें। उन्होंने कहा कि आम आदमी डॉक्टर को भगवान का दर्जा देता है। भगवान के दर्जे को बनाए रखने की जिम्मेदारी आपकी है। उन्होंने कहा कि लगन, ईमानदारी और समर्पण से ही आप सफलता की नई ऊंचाइयों को छू सकते हैं।

मेडल देकर सम्मानित किया

इससे पहले दीक्षांत समारोह में 100 एमबीबीएस, 56 पीजी और 165 पैरामेडिकल छात्रों को प्रो. अनिल शुक्ला, प्रो. सरोज चूड़ामड़ी गोपाल और चेयरमैन देव मूर्ति ने उपाधि, मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

इनको मिली स्कॉलरशिप

एमबीबीएस 2016 बैच के तीन विद्यार्थियों को राममूर्ति ट्रस्ट ने स्कॉलरशिप दी। सृष्टि गुप्ता को दो लाख, अवंतिका डिमरान को एक लाख और आरुषी गुप्ता को 50 हजार रुपये की स्कॉलरशिप मिली।

ये रहे पैरामेडिकल के होनहार

पैरामेडिकल के 2012 से 2014 बैच के स्टार परफॉर्मर को अवार्ड दिया गया। इसमें बीएससी आरआईटी की जागृति चौधरी को गोल्ड, कमलजीत कौर को सिल्वर और बीएससी एमआरआईटी की श्रद्धा गुप्ता को ब्राउंज मेडल दिया गया। बीपीटी की परमिंदर कौर को विशेष पुरस्कार, बीपीटी की आयुषी गुप्ता को गोल्ड, बीएससी सीटी एमआरआई की अंकिता को सिल्वर और बीपीटी के सूरज भट्ट को ब्राउंज मेडल मिला।

ये रहे एमबीबीएस में धुरंधर

एमबीबीएस 2012 बैच में आठ विद्यार्थियों को मेडल प्रदान किया गया। सर्वाधिक अंक पाने पर आयुषी गौर को 51 हजार रुपये और गोल्ड मेडल मिला। वहीं, दूसरे स्थान पर रहीं आयुषी त्यागी को सिल्वर मेडल व सैयद मोहम्मद अकरम को ब्राउंज मेडल मिला। सर्वाधिक उपस्थिति के लिए आयुषी त्यागी को गोल्ड मेडल, सर्जरी में सर्वाधिक अंक सैयद मोहम्मद अकरम और ईएनटी में सर्वाधिक अंक आयुषी त्यागी को मिले। बेस्ट आल राउंडर शिवम जोशी बने। जनरल मेडिसिन की अनुराधा गौर को गोल्ड मेडल मिला।